

## प्रीलमिस फैक्ट्स : 24 मई, 2018

### आधुनिक भारत के निर्माता राजा राममोहन राय

गूगल ने डूडल बनाकर आधुनिक भारत के निर्माता तथा समाज सुधारक राजा राममोहन राय को उनके जन्म दिवस के अवसर पर याद किया।

- समाज सुधारक राजा राममोहन राय का जन्म 22 मई, 1772 को पश्चिम बंगाल के मुर्शदाबाद ज़िले के राधानगर गाँव में हुआ था।
- राजा राममोहन राय ने बचपन में ही रूढ़िवादी अनुष्ठानों तथा पूजा-पाठ को त्याग दिया था।
- राजा राममोहन राय एकेश्वरवाद के प्रबल समर्थक थे।
- छोटी उम्र में ही धर्म के नाम पर इनका अपने पति के साथ मतभेद होने लगा था।
- ऐसे में राजा राममोहन राय ने कम उम्र में ही घर त्याग दिया और तबिबत चले गए।
- वापस आने पर उन्होंने उपनिषद् तथा वेदों का गहराई से अध्ययन किया।
- इनकी पहली पुस्तक 'तुहपत अल-मुवाहदिदीन' थी, जिसमें उन्होंने धर्म का समर्थन किया लेकिन धर्म के नाम पर होने वाले रीत-रिवाज़ों और अनुष्ठानों का वरिध किया।
- लगभग 200 साल पहले, जब समाज में "सती प्रथा" जैसी बुराईयाँ व्याप्त थीं, उस समय राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने समाज में बदलाव लाने के लिये महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने सती प्रथा का वरिध किया।
- उन्होंने महिलाओं को भी पुरुषों के समान अधिकार देने की बात कही। इसके अंतर्गत उन्होंने महिलाओं को पुनर्विवाह तथा संपत्तिका अधिकार देने का समर्थन किया।
- 1828 में राजा राममोहन राय ने "ब्रह्म समाज" की स्थापना की, जिसे भारतीय धार्मिक-सामाजिक सुधार आंदोलनों में से एक माना जाता है।

### राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई, 2018 को पूरे भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। वर्ष 1999 से हर साल 11 मई को यह दिवस मनाया जाता है।

### महत्त्वपूर्ण बटु

- इस वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की थीम 'सतत भवषिय के लिये वज्जान एवं प्रौद्योगिकी' है।
- यह दिवस वज्जान एवं प्रौद्योगिकी की परिवर्तनीय शक्ति को समरण करने के साथ-साथ हमारी ताकत, कमज़ोरियों, लक्ष्य के वचिार मंथन के लिये मनाया जाता है, जिससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें देश की दशा और दशा का सही ज्जान हो सके।
- ऐतहासिक रूप से यह दिवस इसलिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि 11 मई, 1998 को पोखरण में सफल परीक्षण द्वारा भारत ने एक प्रमुख तकनीकी सफलता हासिल की थी।
- यह दिवस इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि स्वदेशी स्तर पर निर्मिति विमान हंसा-3 ने इसी दिवस उड़ान भरी थी तथा त्रिशूल मसिाइल का परीक्षण भी इसी दिवस किया गया था।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस वैज्जानिक अन्वेषण, तकनीकी रचनात्मकता और नवाचारों की खोज तथा इन खोजों का सामाजिक-आर्थिक लाभ के साथ एकीकरण का प्रतीक है।

### दक्षिण एशियाई वन्यजीव प्रवर्तन नेटवर्क सम्मेलन (SAWEN)

दक्षिण एशियाई वन्यजीव प्रवर्तन नेटवर्क सम्मेलन (South Asia Wildlife Enforcement Network – SAWEN) के चौथे सम्मेलन का आयोजन 8 से

10 मई, 2018 को कोलकाता में कथिा गया ।

## महत्त्वपूर्ण बडि

- दक्षणि एशियाई वन्यजीव प्रवर्तन नेटवर्क (SAWEN) एक अंतर-सरकारी कानून प्रवर्तन एजेंसी है ।
- इसकी शुरुआत वर्ष 2011 में भूटान में की गई थी । इसकी शुरुआत के बाद से यह चौथा तथा भारत में आयोजति होने वाला पहला सम्मेलन है ।
- इसका सचवालय काठमांडू, नेपाल में है ।
- भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, अफ़गानसितान तथा पाकसितान सहति इस संस्था के आठ सदस्य हैं ।
- इस बार दो दविसीय सम्मेलन के दौरान दक्षणि एशियाई देशों में वन्यजीव अपराध को रोकने से संबंधति कई प्रस्ताव लागू कथि गए ।
- इस बार सम्मेलन में छः प्रस्ताव रखे गए, जनिमें से प्रमुख हैं:
  1. वन्यजीव तस्करी मार्ग पर नगिरानी ।
  2. मौजूदा कानूनों की समीक्षा और
  3. संगठन की संरचना ।
- इस बार इस सम्मेलन में पकसितान ने भाग नहीं लथिा ।

## 2018 का मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज़

प्रसदिध उपन्यास 'फ्लाइट्स' के लथि पोलैंड की उपन्यासकार ओल्गा टोकार्कजुक (Olga Tokarczuk) ने प्रतष्ठिति मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज़ (Man Booker International prize), 2018 का खतिाब जीता है । ओल्गा टोकार्कजुक के इस उपन्यास का जेनीफर क्रॉफ़्ट ने अंगरेज़ी में अनुवाद कथिा है ।

- पोलैंड में जन्मी 56 वर्षीय ओल्गा मैन बुकर प्राइज़ पाने वाली पोलैंड की पहली लेखिका है ।
- इस उपन्यास में अब्राहम लकिन के युवा पुत्र के नधिन के बाद उनके दर्द को बयां कथिा गया है ।
- वर्ष 2017 का मैन बुकर पुरस्कार लघु कथाओं के प्रसदिध अमेरिकी लेखक जारज़ सॉन्डर्स को मलिा था । उन्हें यह पुरस्कार फकिशन श्रेणी में 'लकिन इन द बाडरे' के लथि दथिा गया ।
- अब तक चार भारतीय लेखकों अरवदि अडगिा, करिण देसाई, अरुंधतराय और सलमान रुश्दी को यह पुरस्कार मलिा है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-24-05-2018>